विषय : हिन्दी

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

(खण्ड-क)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

'सफलता' यह शब्द सुनते ही तन-मन में प्रसन्नता का संचार हो जाता है। फिर चाहे बच्चा हो या बूढ़ा, सबके चेहरे एक समान खिल उठते हैं। सफलता चाहे छोटी हो या बड़ी, वह अपने-आप में अनेक प्रकार की खुशियों तथा प्रेरणाओं का संगम है। सफलता पाने के लिए रुचि व प्रयत्न की आवश्यकता होती है। हमें यह पहले तय कर लेना चाहिए कि हम किस क्षेत्र में सफल होना चाहते हैं। कमज़ोर से कमज़ोर प्राणी भी अपनी शक्तियों को एक लक्ष्य पर केंद्रित कर सफल हो सकता है। अर्जुन ने पेड़ पर रखी चिड़िया की आँख को लक्ष्य मानकर धनुष से बाण छोड़े। लगातार टपकने वाली झरने की बूँदें भी चट्टानों को चीर देती हैं। हर व्यक्ति की किसी खास काम में रुचि होती है। लक्ष्य भी रुचि के अनुसार होना चाहिए। हमें वही करना चाहिए जिसे हम अच्छी तरह कर पाएँ। कोई अच्छा कवि बन सकता है, कोई खिलाड़ी। प्रत्येक व्यक्ति के गुण और रुचि अलग-अलग होते हैं। हमें अपने भीतर के व्यक्ति को पहचानना चाहिए। विश्व के महान व्यक्तियों ने अपने गुणों को पहचाना, निखारा तभी उन्हें भी यश व प्रसिद्धि मिली। जो लोग दूसरों का मुँह ताकते हैं और उनकी सलाह पर अपनी दिशा को छोड़ देते हैं, क्षण-क्षण में विचार बदल देते हैं, वे कोई महान कार्य नहीं कर पाते। जो व्यक्ति अपनी सूझबूझ, रुचि के अनुसार कदम उठाते हैं, वे हर बाधा को पार करके सफल होते हैं। यदि श्रमपूर्वक पसीना बहाओगे तो सफलताएँ मुस्कुरा कर गले लगाएँगी और जीवन सरल व सफल बन जाएगा।

(i) सफलता प्राप्त करने पर लोग क्या अनुभव करते हैं? (1)

(ii) रुचि का सफलता से क्या संबंध है? (1)

(iii) दूसरों का मुँह ताकने से क्या होता है? (1)

प्र2. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

हरी-भरी वसुधा के ऊपर, नील गगन ने छाता ताना।
कल-कल करते नदियाँ झरने, बहे आ रहे गाते गाना।
हिम से ढके पर्वत देखो, सीना तान आसमान छू रहे हैं।
सागर की ऊँची तरंगे, भू के पैर पखार रही हैं।
बदला दृश्य और अब देखो, पत्थर का जंगल है यह।
हरियाली सब हवा हो गई, वायु प्रदूषित बड़ी भयावह।

तितली, कोयल स्वप्न हो गए, नहीं नदी अब स्वच्छ रही।
जीवनदायी सूरज से अब, पराबैंगनी किरणों का भय।
पर्यावरण संतुलित करने, वृक्षों का अब फिर हो रोपण।
हरी-भरी कर वसुंधरा को, लौटे पुनः प्रकृति के आँगन।

(i) आज प्रकृति के रूप में क्या परिवर्तन आ गया है? (1)

(ii) मानव को सूरज से क्या भय उत्पन्न हो गया है और क्यों? (1)

(iii) पर्यावरण को संतुलित कैसे कर सकते हैं? (1)

प्र3. आपके दादाजी ने आपको शब्दकोश उपहार में दिया। 'शब्दकोश' के लाभ बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। (4)

अथवा

बिजली संकट से उत्पन्न असुविधाओं का वर्णन करते हुए बिजली बोर्ड के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

प्र4. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए:

(क) जहाँ चाह वहाँ राह (6)

(ख) प्रगति की ओर भारत

(ग) दूरदर्शन का विद्यार्थियों पर प्रभाव

प्र5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :-

(क) निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्द रेखांकित कर भेद बताइए :- (2)

(i) हमारी लिखावट सुंदर होनी चाहिए।

(ii) तुम तो बिल्कुल हरिश्चंद्र जैसे हो।

(ख) लिंग बताइए :- हिमालय, गुजराती (1)

(ग) वचन बदलकर वाक्य दुबारा लिखिए :- (1)
पेड़ की शाखा मज़बूत है।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में कारक-चिह्न रेखांकित कर भेद बताइए :- (2)

(i) बच्ची गुड़िया से खेलती है।

(ii) रोहन की माताजी बीमार हैं।

(ङ) नीचे दिए गए शब्दों में उपसर्ग व प्रत्यय अलग कीजिए :- (2)
बेचैनी, अधार्मिक

प्र6. (क) निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम रेखांकित करके भेद बताइए :- (2)

(i) गाँधीजी अपना सारा काम स्वयं करते थे।

(ii) बच्चों के लिए बाजार से कुछ ले आना।

(ख) रेखांकित विशेषण शब्दों के भेद बताइए :- (1)

(i) मेरी चाय में <u>कम</u> चीनी डालना।

(ii) दिल्ली में <u>ऊँची</u> इमारतें हैं।

(ग) दिए गए वाक्यों में विशेष्य छाँटकर लिखिए :- (1)

(i) बाहर कोई व्यक्ति घंटी बजा रहा है।

(ii) जंगल में खूँखार शेर दहाड़ रहा है।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में संरचना के आधार पर क्रिया रेखांकित करके भेद बताइए :- (2)

(i) राकेश अपने मित्र से पतंग उड़वाता है।

(ii) सीमा पुस्तक पढ़ती रहती है।

(ङ) दिए गए शब्दों से नाम धातु क्रिया बनाइए :- (1)

बात, टिमटिम

प्र7. (क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- (2)

पृथ्वी, अग्नि

(ख) दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- (1)

नवीन, सर्वज्ञ

(ग) निम्नलिखित शब्द के दो अनेकार्थी शब्द लिखिए :- (1)

कुल

(खण्ड-ख)

प्र8. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(क) कै वह टूटी-सी छानी हती, कहँ कंचन के अब धाम सुहावत।
कै पग में पनही न हती, कहँ लै गजराजहु ठाढ़े महावत।
भूमि कठोर पै रात कटै, कहँ कोमल सेज पै नींद न आवत।
के जुरतो नहिं कोदो सवाँ, प्रभु के परताप ते दाख न भावत।

(i) कृष्ण की शरण में जाने से पहले सुदामा की आर्थिक स्थिति कैसी थी? (2)

(ii) सुदामा का मन श्रीकृष्ण के प्रति आदर भाव से क्यों भर गया? (2)

(iii) काव्यांश के कवि तथा भाषा का नाम बताइए। (1)

(ख) पुष्प-पुष्प से तंद्रालस लालसा खींच लूँगा मैं,
अपने नव-जीवन का अमृत सहर्ष सींच लूँगा मैं,
द्वार दिखा दूँगा फिर उनको,
हैं मेरे वे जहाँ अनंत,
अभी न होगा मेरा अंत।

(i) कवि फूलों की तंद्रा व आलस दूर करने के लिए क्या करना चाहते हैं? (2)

(ii) कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उनका अंत अभी नहीं होगा? (1)

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

(i) 'दीवानों की हस्ती' कविता में कवि ने दीवानों की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं? (2)

(ii) 'ध्वनि' कविता के भाषा सौंदर्य के बारे में बताइए। (1)

प्र9. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(क) मैं बहुधा हर गर्मी की छुट्टी में अपने मामा के यहाँ चला जाता और एक आध महीने वहाँ रहकर स्कूल खुलने के समय तक वापस आ जाता। परंतु दो-तीन बार ही मैं अपने मामा के गाँव जा सका तभी मेरे पिता की एक दूर के शहर में बदली हो गई और एक लंबी अवधि तक मैं अपने मामा के गाँव न जा सका। तब लगभग आठ-दस वर्षों के बाद जब मैं वहाँ गया तो इतना बड़ा हो चुका था कि लाख की गोलियों में मेरी रुचि नहीं रह गई थी। अतः गाँव में होते हुए भी कई दिनों तक मुझे बदलू का ध्यान न आया। इस बीच मैंने देखा कि गाँव में लगभग सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहने हैं। विरले ही हाथों में मैंने लाख की चूड़ियाँ देखी। तब एक दिन सहसा मुझे बदलू का ध्यान हो आया। बात यह हुई कि बरसात में मेरे मामा की लड़की आँगन में फिसलकर गिर गई। उसके हाथ की काँच की चूड़ी टूटकर उसकी कलाई में घुस गई और उससे खून बहने लगा। मेरे मामा उस समय घर पर नहीं थे। मुझे ही उसकी मरहम-पट्टी करनी पड़ी। तभी सहसा मुझे बदलू का ध्यान हो आया और मैंने सोचा कि उससे मिल आऊँ।

(i) लेखक लंबे समय तक अपने मामा के घर क्यों नहीं जा सके? (1)

(ii) लेखक को अचानक बदलू काका का ध्यान क्यों हो आया? (2)

(ख) पत्रों की दुनिया भी अजीबो-गरीब है और उसकी उपयोगिता हमेशा से बनी रही है। पत्र जो काम कर सकते हैं, वह संचार का आधुनिकतम साधन नहीं कर सकता है। पत्र जैसा संतोष फोन या एस.एम.एस. का संदेश कहाँ दे सकता है। पत्र एक नया सिलसिला शुरू करते हैं और राजनीति, साहित्य तथा कला के क्षेत्रों में तमाम विवाद और नई घटनाओं की जड़ भी पत्र ही होते हैं। दुनिया का तमाम साहित्य पत्रों पर केंद्रित है और मानव सभ्यता के विकास में इन पत्रों ने अनूठी भूमिका

निभाई है। पत्रों की भाषा सब जगह एक-सी है, भले ही उसको नाम अलग-अलग हो। पत्र को उर्दू में खत, संस्कृत में पत्र, कन्नड़ में कागद, तेलुगु में उत्तरम्, जाबू और लेख तथा तमिल में कडिद कहा जाता है। पत्र यादों को सहेजकर रखते हैं, इसमें किसी को कोई संदेह नहीं है।

(i) 'पत्र फोन या एस.एम.एस. से बेहतर होते हैं।' कैसे? (2)

(ii) पत्र को कन्नड़ व तमिल में क्या कहा जाता है? (1)

प्र10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक दीजिए : (2x3=6)

(i) पाठ 'बस की यात्रा' के आधार पर बताइए कि यात्रा करते हुए लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

(ii) 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं।' - इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है? पाठ 'लाख की चूड़ियाँ' के आधार पर बताइए।

प्र11. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : (3x2=6)

(i) पत्र लेखन की कला को विकसित करने के लिए क्या-क्या प्रयास किए गए हैं?

(ii) बचपन में लेखक बदलू के पास घंटों क्यों बैठे रहते थे?

(iii) लेखक ने सविनय अवज्ञा आंदोलन की तुलना बस से क्यों की है?

(ख) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए :- फबना, निमित्त, हरकारा, स्मृति (2)

(ग) दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :- वातावरण, परंपरा (2)

प्र12. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :- (3x3=9)

(i) मामाजी जब बच्चों को आइसक्रीम खिलाने लेकर गए तो उनके साथ क्या-क्या हादसे हुए? कहानी 'अनोखा हॉर्न' के आधार पर बताइए।

(ii) ताँगेवाला मामाजी से गुस्सा क्यों हो गया था? कहानी 'तीरंदाजी का कमाल' के आधार पर बताइए।

(iii) मामाजी ने छतरी कहाँ से खरीदी थी? वे उसका प्रयोग कैसे करते थे? कहानी 'प्यारी छतरी' के आधार पर बताइए।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :- (3x1=3)

(i) मामाजी का उपनाम क्या था?

(ii) प्रतिभा ने मामाजी से उपहार में क्या माँगा?

(iii) तीरंदाजी के विषय में मामाजी क्या सोचते थे?